Jaibhawini Shikshan Prasarak Mandal's,

# Mahila Mahavidyalaya,Georai.

Certificate Course in

## 'Prayojanmulak Hindi'

## INTRODUCTION

विश्व की उन्नत भाषाओं में हिंदी सबसे अधिक सरल, सहज और संपन्न भाषा है। जिस भाषा का प्रयोग किसी विशेष प्रयोजन के लिए करते हैं उसे प्रयोजनमूलक भाषा कहते हैं। यह विज्ञान, तकनीकी, विधि, संचार एवं अन्य गतिविधियों में प्रयुक्त होती है, इसलिए इसे कामकाजी हिंदी भी कहा जाता है। प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग क्षेत्र समाज की उन्नति या विकास के लिए बोलचाल और साहित्य से भी नवीन प्रयोजनों के लिए किया जाता है। व्यवसाय, राजनीतिक, कार्यालय, समाज आदि सभी क्षेत्रों में भी प्रयोजनमूलक हिंदी का अन्यान्य महत्व है।

## OBJECTIVES

1. Undergraduate students who want additional learning or studying supportive knowledge.
2. To help an individual to show her commitment for the profession & build experience in subject area.

## Course Outcome

1. To develop a scientific attitude to make students open minded, critical and curious.
2. To develop an ability to work an own and to make them fit for the society.
3. To develop ability for the application of the acquired knowledge in the field of research so as to make our country self reliant and self sufficient.

## DURATION: 30 Hours

COMPONENTS NO. OF CREDIT Theory: 01
Practical: 02
Total Credits 03
(90 minutes lecture)

## ELIGIBILITY:

12th Pass
Fees: Free of Cost

Intake: 20 Students per batch (once in a Year)

## MODE OF EXAMINATION:

Online/Offline

GRADING & AWARDS OF CERTIFICATION:

## SYLLABUS

Unit: - I

Unit: 1

1) प्रयोजनमूलक भाषा से तात्पर्य एवं स्वरूप

2) प्रयोजनमूलक हिंदी का नामकरण परिभाषा एवं स्वरूपगत विशेषताएं

3) प्रयोजनमूलकहिंदीकाप्रयोगक्षेत्र

Unit: 2

1) जनसंचार माध्यम के विविध रुप

2) समाचार लेखन3) रेडियो वार्ता लेखन

4) फीचर लेखन

Unit: 3

1) देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास

2) भाषा और लिपि

3) लिपि से तात्पर्य और विकास

4) देवनागरी लिपि के गुण दोष

5) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और देवनागरी लिपि

Unit: 4

1) अनुवाद का स्वरूप एवं भेद

2) अनुवाद की परिभाषा

3) अनुवाद के प्रमुख भेद

4) अनुवाद के गुण

5) अनुवाद की विशेषताएं

## Evaluation:

Continuous evaluation, multiple types of assignments
Passing: 35 out of 100 Marks

## Organized by

Dept. of Hindi
Course Co-ordinator
Prof.Dr. Aher S. E.
Prof. Dr.Kakde R. S.
Dept. of Hindi